भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 692 जिसका उत्तर

शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024/4 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है

जलमार्ग परिवहन के लिए सर्वेक्षण

692. श्री रविंद्र दत्ताराम वाइकर :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों में जलमार्ग परिवहन का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा अंतर्देशीय जलमार्गों को परिवहन के वैकल्पिक साधन के रूप में विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं/ उठाए जाने का विचार है;

(ग) क्या सरकार मुंबई से गोवा-अलीबाग-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग तक जलमार्ग परिवहन आरम्भ करने और इन स्थानों पर पत्तनों का निर्माण करने के किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार का इस संबंध में कोई सर्वेक्षण कराने का कोई प्रस्ताव है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों के राष्ट्रीय जलमार्गों, जहां पर कार्गो/यात्री यातायात संचालित हो रहा है, का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ख): देश में, अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) के विकास के लिए 24 राज्यों में फैले हुए 111 जलमार्गों (मौजूदा 05 और नए 106 सहित) को राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के अंतर्गत राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.) घोषित किया गया है। तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम और इन राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के आधार पर 26 रा.ज., जो कि कार्गो और यात्री आवागमन के लिए व्यवहार्य पाए गए थे, के लिए कार्य-योजना तैयार की गई है। इस समय, 24 रा.ज. प्रचालनरत हैं और इन राष्ट्रीय जलमार्गों पर कार्गो/यात्री आवागमन संचालित हो रहा है। अध्ययन रिपोर्टों के परिणाम और डीपीआर के आधार पर और अधिक व्यवहार्य रा.ज. के विकास के लिए कार्य-योजना तैयार की गई है।

रा.ज. के माध्यम से कार्गो के आवागमन को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए उपायों में हितधारक सम्मेलनों के द्वारा कार्गो प्रचालकों के साथ बातचीत करना, विभिन्न राष्ट्रीय जलमार्गों में रो-रो/रो-पैक्स सेवाओं की शुरुआत करना, उगाही और जलमार्ग प्रयोक्ता प्रभारों की वसूली में संशोधन करना, आईडब्ल्यूटी मोड का प्रयोग करते हुए बंग्लादेश के साथ बढ़ा हुआ क्षेत्रीय व्यापार तथा अर्थ गंगा कार्यक्रम का कार्यान्वयन शामिल है, जो कि गंगा (रा.ज.-1) तथा देश में अन्य रा.ज. पर सामुदायिक फ्लोटिंग जेट्टियों का निर्माण करके नदियों के तटों के साथ आर्थिक गतिविधियों को बल देने के लिए सतत विकास मॉडल के सिद्धांतों पर आधारित दृष्टिकोण पर विकसित किया गया है।

(ग) और (घ): जी, हां। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत सरकार द्वारा मुंबई से अलीबाग में मांडवा तथा मालवण से सिंधुदुर्ग किले के बीच जलमार्ग परिवहन को पहले ही प्रचालनरत कर दिया गया है। इसके साथ ही, अलीबाग क्षेत्र में रेवास, काशिद और जंजीरा, रत्नागिरी क्षेत्र में वेलदुर और अंबादवे शिगवान, रायगढ़ और सिंधुदुर्ग क्षेत्र में उनडेरी, पद्मदुर्ग और सुवर्णदुर्ग में सेवाएं शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। इन स्थानों पर परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 460 करोड़ रु. है।

(ङ) और (च): संबंधित राज्य सरकार द्वारा अपेक्षित सर्वेक्षण करवाए जाते हैं, तथा यदि आवश्यक हुआ तो सागरमाला योजना के अंतर्गत वित्तपोषण करने हेतु मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा जाता है।

अनुबंध-1

राष्ट्रीय जलमार्ग जहां पर कार्गो/यात्री परिवहन संचालित हो रहा है

राज्यों के साथ राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.)
उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में रा.ज.-1 (गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली (हल्दिया–इलाहाबाद))
असम में रा.ज.-2 (ब्रह्मपुत्र नदी (ढुबरी-सदिया))
केरल में रा.ज.-3 (पश्चिमी तट नहर)
आंध्र प्रदेश में रा.ज.-4 (कृष्णा गोदावरी नदी प्रणाली)
ओडिशा में रा.ज.-5 (पूर्वी तट नहर और मतई नदी/ ब्राह्मणी-खरसुआ-धामरा नदियां/महानदी डेल्टा नदियां)
केरल में रा.ज.-8 (अलापुझ्झा-चंगनसेरी नहर)
केरल में रा.ज.-9 (अलापुझ्झा-कोट्टायम अथिरामपुझा नहर)
ओडिशा में रा.ज.-14 (बैतरणी नदी)
असम में रा.ज.-16 (बराक नदी)
ओडिशा में रा.ज.-23 (बुधबलंगा)
असम में रा.ज.-31 (धनसिरी/चाथे)
पश्चिम बंगाल में रा.ज.-44 (इच्छामती नदी)
ओडिशा में रा.ज.-64 (महानदी नदी)
पश्चिम बंगाल में रा.ज.-86 (रूपनारायण नदी)
बिहार में रा.ज.-94 (सोन नदी)
पश्चिम बंगाल में रा.ज.-97 (सुंदरबन जलमार्ग)
महाराष्ट्र के जलमार्ग
रा.ज.-10 (अम्बा नदी)
रा.ज.-83 (राजपुरी क्रीक)
रा.ज.-85 (रेवाडांडा क्रीक-कुंडालिका नदी प्रणाली)
रा.ज.-91 (शास्त्री नदी-जयगढ़ क्रीक प्रणाली)
गोवा के जलमार्ग
रा.ज.-68 (मंडोवी नदी)
रा.ज.-111 (ज़ुआरी नदी)
गुजरात के जलमार्ग
रा.ज.-73 (नर्मदा नदी)
रा.ज.-100 (तापी नदी)

*****